

उपग्रह (Satellite)

Man Made. → मशीन | यंत्र
उपकरण

चक्कर
मुक्त रूप

(continuous work)

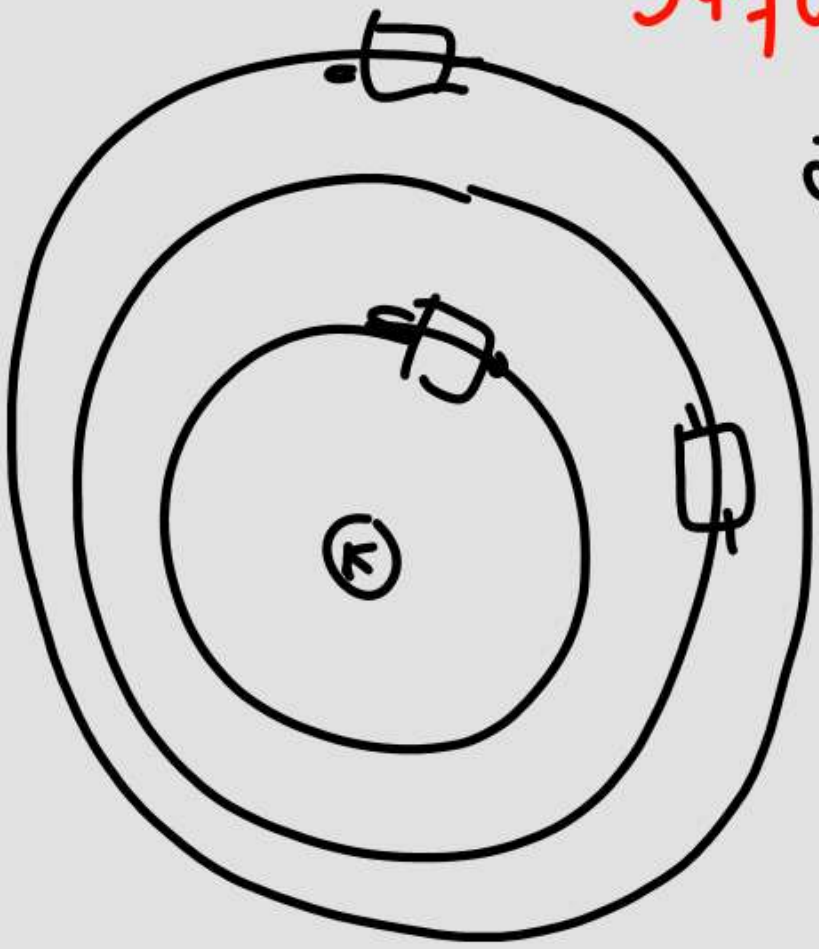
zero gravity

द्वारा

प्रमोचन यान (Launch Vehicle)

कक्षाएं

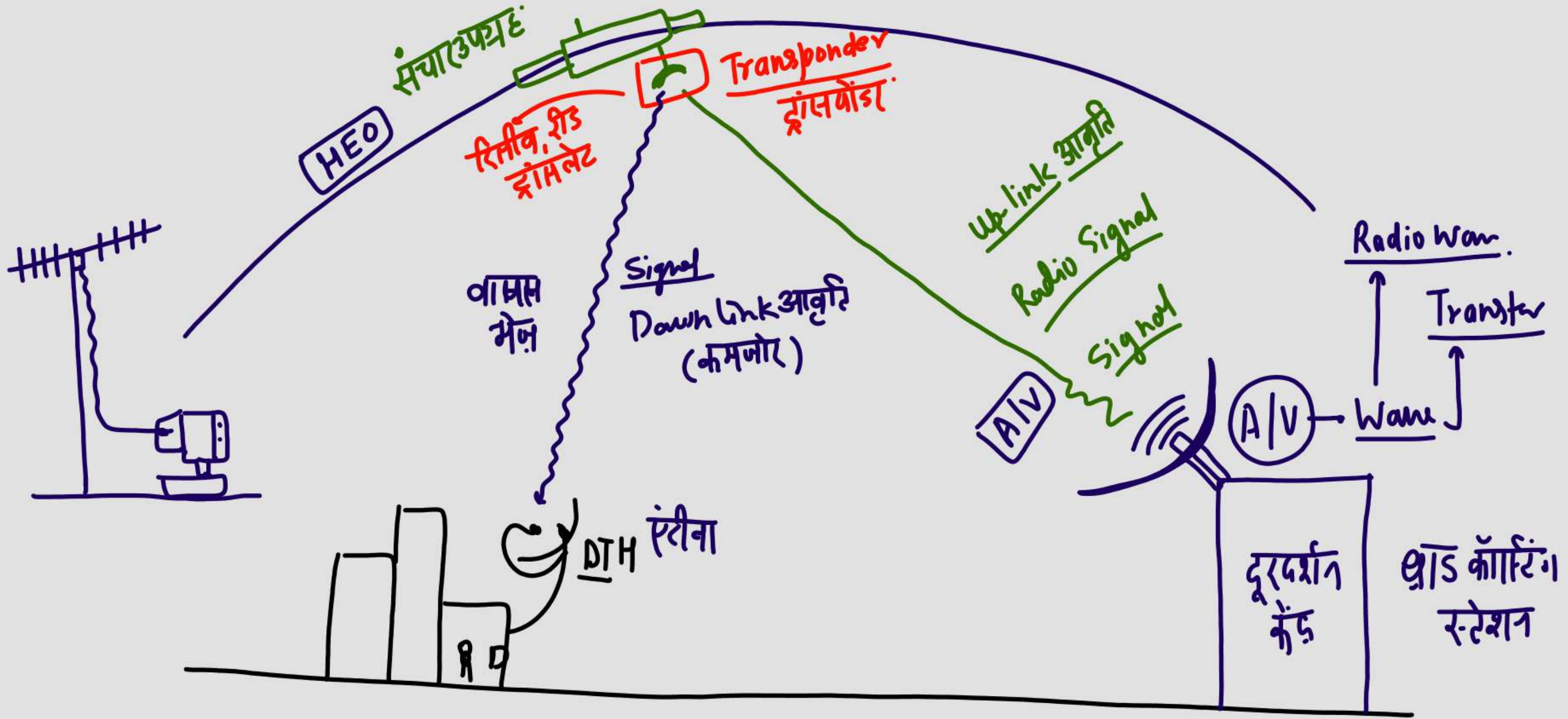
LED
—
MED
—
HFO



Launch veh.

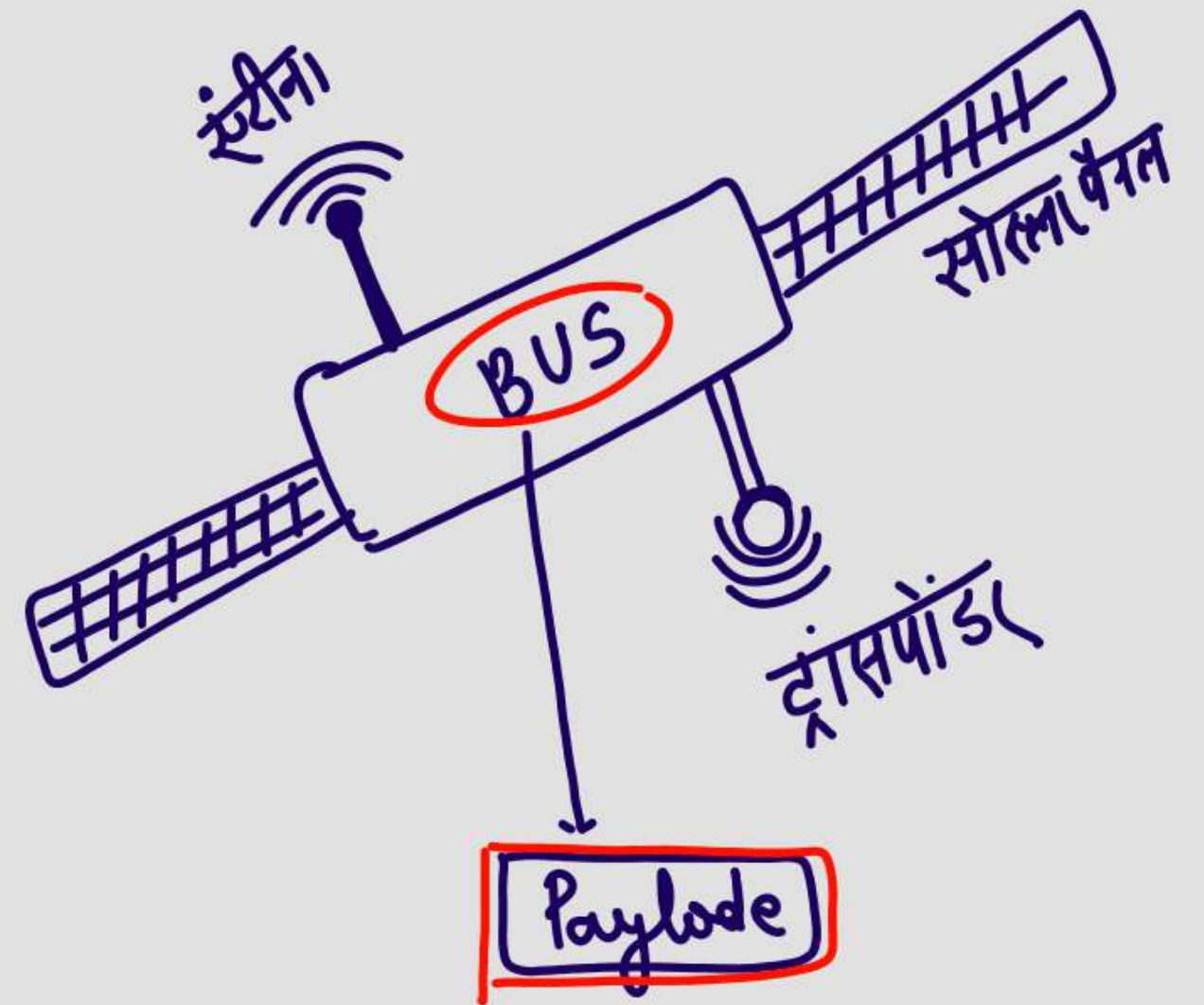
उपग्रह मानव के द्वारा बनाए गये विशेष यंत्र हैं जो कि प्रमोचन यान के द्वारा पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं (PO/SSO/GSO) (LEO/MEO/HGO) में स्थापित किए जाते हैं तथा वहाँ शून्य गुरुत्व (Zero Gravity) में धूमते हुए पृथ्वी का पक्का तथा अपनी सामग्री के अनुमाप दिए गये कार्य को पूरा करते हैं। ✓

Note: दूर-पर्यवेक्षण (Remote Sensing / Earth Obsr), नवबहन (Navigation), सूचना व संचार (Info and Communication) व मौसम संबंधी आंकड़े अवस्था जानकारी पुराना उपग्रहों का मुख्य कार्य होता है।



Part of Satellite.

- ① Payload (नीतिभार)
- ② Transponder (ट्रांसपोण्डर)
- ③ Other part → Solar Panel / Battery / Motor etc



① Payload (नीतिभार) —→ Main working part of satellite.

कैमरा, रडार, लिडार, सेंसर,
ड्रिफ्ट, लेव-

122P

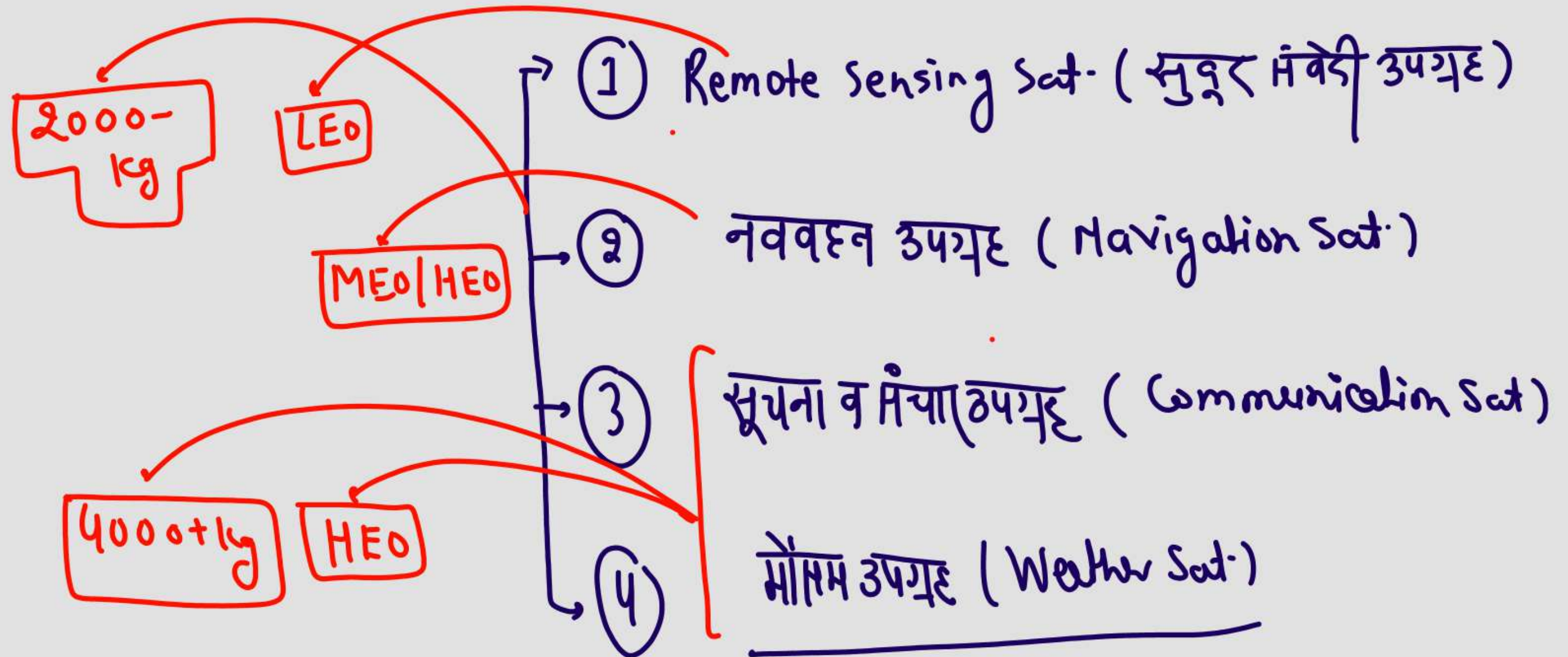
② Transponder —→ उपग्रह में लगे यंत्र है जो कि माध्यमता का कार्य करते हैं पृथ्वी के Ground Broadcasting Station के signal को Rec करते हैं तथा पुनः पृथ्वी की तरफ भेज देते हैं।✓

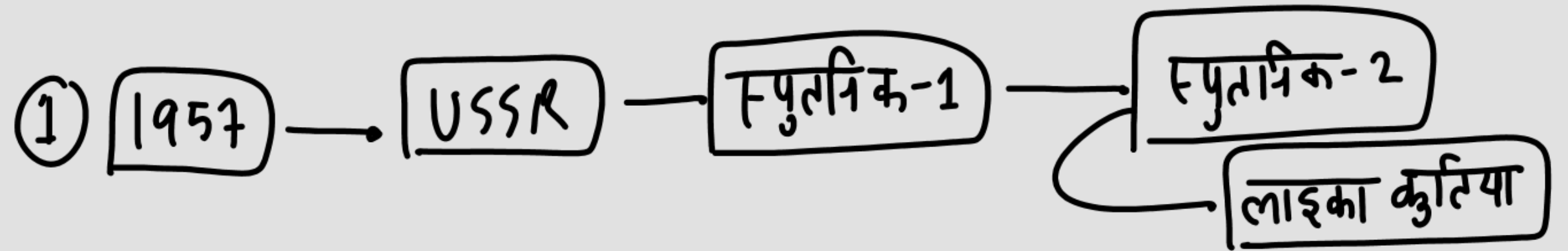
उपग्रह के प्रकार वजन के आधार पर

- ① हेवी उपग्रह ————— $1500+ \text{kg}$
- ② स्माल उपग्रह ————— $100 \text{ kg} - 1500 \text{ kg}$
- ③ मिनी उपग्रह ————— $50 - 100 \text{ kg}$
- ④ माइक्रो व नैनो ————— $10 - 50 \text{ kg}$

कार्य के आधार पर उपग्रह

IchanSat





USSR
② 1961 → यूरी गागारिन - Space की यात्रा

③ 1969 → Apollo 11 USA → नील आर्म स्ट्रॉन। वल एल्ट्रिन व
माइकल कॉलिन ने

④ 19 Apr 1975 → प्रथम उपग्रह → आर्यभट्ट (3600 km) चांद तक यात्रा

कॉस्मोस M3 प्रमोचन यान (USSR) द्वारा भेजा गया

समाप्त
1992
1981
सम्यक् रस

Launching Station

"उपग्रह भेजने काभ्यान"